



सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत तटीय जहाजरानी और भारत में अंतरदेशीय नौवहन को प्रोत्साहित करने के लिए भुवनेश्वर में कार्यशाला

Posted On: 12 JUL 2017 6:59PM by PIB Delhi

शिपिंग मंत्रालय कल भुवनेश्वर में सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत तटीय जहाजरानी और भारत में अंतरदेशीय नौवहन को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। हितधारकों में सागरमाला कार्यक्रम के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अगले 6-8 महीनों में होने वाली कार्यशालाओं की श्रृंखला में यह दूसरी कार्यशाला है। सागरमाला कार्यक्रम में तेजी लाने और राज्यों की भागीदारी के बारे में 9 जून, 2017 को नई दिल्ली में इस तरह की पहली कार्यशाला आयोजित की गई थी।

भुवनेश्वर में कल आयोजित होने वाली कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य तटीय जहाजरानी और अंतरदेशीय नौवहन के बारे में जागरूकता बढ़ाना है ताकि सागरमाला के अंतर्गत लॉजिस्टिकल मॉडल मिक्स में हिस्सेदारी वर्तमान 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 2025 तक 12 प्रतिशत की जा सके।

भारत का 7500 किलोमीटर तटीय क्षेत्र और लगभग 14000 किलोमीटर की नौवहन योग्य नदियां घरेलू तथा एक्जिम माल ढुलाई और यात्री परिवहन के लिए एकीकृत जलआधारित परिवहन व्यवस्था के विकास का परिपूर्ण मंच प्रदान करती हैं।

तटीय जहाजरानी और अंतरदेशीय तटीय नौवहन से सड़क और रेल नेटवर्क की भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। तटीय जहाजरानी और अंतरदेशीय नौवहन परिवहन लागत संगत है। अनुमान लगाया जाता है कि तटीय और अंतरदेशीय नौवहन मार्ग से प्रति टन प्रति किलोमीटर कार्गो ढुलाई लागत रेल और सड़क मार्ग से कार्गो ढुलाई की तुलना में 60 से 80 प्रतिशत सस्ती होगी। तटीय जहाजरानी और अंतरदेशीय नौवहन का एक अन्य लाभ यह है कि अन्य परिवहन उपायों की तुलना में यह अधिक पर्यावरण संगत है।

अंतरदेशीय नौवहन को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम 2016 के अंतर्गत 24 राज्यों के 111 अंतरदेशीय जल मार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है। इन मार्गों को विकसित किया जाएगा और परिवहन के पर्यावरण संगत माध्यम के रूप में इनका प्रयोग किया जाएगा।

राष्ट्रीय जलमार्ग-5 ओडिशा और पश्चिम बंगाल के एक हिस्से को कवर करता है। इसकी लंबाई 623 किलोमीटर है। इसमें से 91 किलोमीटर पश्चिम बंगाल में तथा शेष 532 किलोमीटर ओडिशा में है। ब्राह्मणी नदी पर तालचेर से धमरा का हिस्सा बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हिस्सा तालचेर के कोयला क्षेत्रों तथा महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) की इब घाटी में सहायक होगा।

शिपिंग मंत्रालय के अंतर्गत इंडियन पोर्ट रेल कंपनी लिमिटेड (आईपीआरसीएल) तालचेर से पारादीप तक रेल गलियारा विकसित कर रही है। इससे पारादीप पोर्ट तथा धमरा पोर्ट से ओडिशा की खानों से दक्षिणी-पश्चिमी राज्यों को भेजे जाने वाले कोयले में 80 एमटीपीए कोयला में मदद मिलेगी।

कार्यशाला का उद्घाटन शिपिंग मंत्रालय में विशेष सचिव श्री आलोक श्रीवास्तव की उपस्थिति में ओडिशा के मुख्य सचिव श्री ए पी पाधी करेंगे। इसमें शिपिंग मंत्रालय, प्रमुख और छोटे बंदरगाहों, इंडिया पोर्ट रेल कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य हितधारक शामिल होंगे।

वीके/एकेजी/सीएस -2060

(Release ID: 1495390) Visitor Counter : 19

